DR. JINENDRA KUMAR JAIN (Madhya Pradesh): Sir, I also associate myself with the sentiments expressed by Shrimati Renuka Chowdhury.

## ALLEGED MURDER OF CHAIRMAN OF GURJAR YUVAK SANGH AT JAIPUR, RAJASTHAN

**श्री मूलचन्द मीणा** (राजस्थान) : उपसभाध्यक्ष जी, मेरा यह स्पेशल मैंशन अभी कुछ दिन पहले जिस सरकार को बर्खास्त किया गया था, उसके प्रशासन की स्थिति, ला एंड आर्डर की स्थिति के बारे में मैं कुछ कहना चाहता हूं।

उस सरकार के प्रभाव के अंदर उस सरकार के मुख्य मंत्री के भतीजे और आर० एस० एस० के और विद्यार्थी परिषद् के कुछ लोगों ने मिल कर राजस्थान में जयपुर के अंदर गूजर युवक संघ के अध्यक्ष, श्री विक्रम सिंह, की हत्या गूजर छात्रावास में जाकर की, जिसको करीब . . . **(व्यवधान)**

**डा० जिनेन्द्र कुमार जैन** : (मध्य प्रदेश) : महोदय, कुछ ऐसी अनसबस्टांशल बातें की जा रही हैं, जो पार्लियामेंट के पब्लू में नहीं आतीं। . . . **(व्यवधान)**

**श्री मूलचन्द मीणा** : क्यों नहीं आतीं ?

**डा० जिनेन्द्र कुमार जैन** : यह बिल-कुल . . . **(व्यवधान)**

**श्री मूलचन्द मीणा** : जो सरकार ने . . . **(व्यवधान)**

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED SIBTEY RAZI): Don't argue yourself. Let him say what he wants. It is not your job.

**डा० जिनेन्द्र कुमार जैन** : जो बातें कही जा रही हैं, उपसभाध्यक्ष जी, उनका सत्य से कोई संबंध नहीं है। वह सीधे-सीधे राजनीतिक दलों को और ऐसी संस्थाओं . . . **(व्यवधान)**

**श्री संघ प्रिय गौतम** (उत्तर प्रदेश) : भाई सरकार तो . . . **(व्यवधान)**

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED SIBTEY RAZI): Please, Mr. Gautam. *(Interruptions)*...

**श्री मूल चन्द मीणा** : वह इसको कुछ ऐसी चीजों से जोड़ना चाहते हैं। उनकी राजनीतिक भावना को मैं समझ सकता हूं, लेकिन इस सदन का दुरुपयोग राजनीति की रोटियां सेकने के लिए . . . **(व्यवधान)**

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED SIBTEY RAZI): We are short *al* time. I have got your point, Mr. Jain. You take your seat, please. *(Interruptions)* ... I have got your point.

**श्री मूलचन्द मीणा** : छात्रावास के अंदर गोलियों से भूना गया गूजर समाज के अध्यक्ष को और उसकी हत्या की है . . . **(व्यवधान)** हत्यारों को पकड़ने की बात की जाए। . . . **(व्यवधान)**

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED SIBTEY RAZI): Try to conclude within five minutes. We are short of time.

**श्री मूलचन्द मीणा** : सर, मेरा निवेदन यह था कि पिछली सरकार के प्रभाव में आकर के सरकार के मुख्य मंत्री के भतीजे और आर०एस०एस० के कार्यकर्ता, जिसमें प्रवेन्द्र शर्मा है, जिन्होंने छात्रावास के अंदर घुस कर उस गूजर युवक संघ के अध्यक्ष की हत्या की गोलियों से, जिसकी हत्या हुए आठ-नौ महीने हो गये . . . लेकिन अभी तक उन हत्यारों को गिरफ्तार नहीं किया गया, जबकि सारे गुर्जर समाज ने जयपुर के अन्दर एक बहुत बड़ी रैली निकाल कर उन हत्यारों को पकड़ने की बात कही थी। राजस्थान के मुख्य मंत्री और राजस्थान के गृह

मंत्री जी ने आश्वासन भी दिया था। ...(व्यवधान) अब पूर्व ही तो होगा, अब आगे तो नहीं बन सकते हैं वह ।

**डा० जिनेन्द्र कुमार जैन** : यह तो धोखा है। ...(**व्यवधान**)

**श्री मूल चन्द मीणा** : आगे सुनिए। उसके बाद इस प्रकार का अन्याय राजस्थान के लोगों के अन्दर हो, एक समाज के अध्यक्ष को गोलियों से भूना जाए वहां के मुख्य मंत्री के भतीजे और कुछ साथियों ने और 9 महीने तक किसी को गिरफ्तार नहीं करें, मैं भारत सरकार से यह निवेदन करना चाहूंगा कि आपने इस मामले को अपने हाथ में लिया है सी०बी०आई० के अन्दर, आप शीघ्र से शीघ्र ऐसे जो हत्यारें हैं श्री विक्रम सिंह गुर्जर के, उनको जल्द से जल्द पकड़ें, साथ ही राजस्थान सरकार के प्रभाव में आकर जिन हत्यारों का बचाव हुआ था, जिन हत्यारों को जिन कर्मचारियों ने बचाया है सरकार के प्रभाव के कारण उन कर्मचारियों के खिलाफ भी कार्यवाही हो, जिससे कि एक गांव का पिछड़ा हुआ समाज, जिस समाज के विकास की बात करने के लिए जो संघ बनाए गए और उन संघ को दबाने के लिए, उस समाज को दबाने के लिए, उस समस्त संघ के अध्यक्ष को ही खत्म कर दिया जाता है तो ऐसे कैसे समाज का विकास हो सकता है? मैं इस सदन में बैठे हुए भारतीय जनता पार्टी के सदस्य श्री शिवचरण सिंह जी गुर्जर साहब से भी निवेदन करना चाहूंगा कि आप तो कम से कम उस गुर्जर की जिस प्रकार से दर्दनाक घटना से हत्या की गई थी और सरकार के संरक्षण में उसकी हत्या हुई थी, उसके लिए तो आप थोड़े, दो शब्द कहें, श्री विक्रम सिंह की हत्या के मामले में तो कुछ कहेंगे। बस मैं इतना ही कहना चाहूंगा।

**श्री शिवचरण सिंह** (राजस्थान) : माननीय उपसभाध्यक्ष जी, माननीय सदस्य ने मेरा नाम लिया है...(**व्यवधान**)

**डा० जिनेन्द्र कुमार जैन** : इनका नाम लिया गया था। ...(**व्यवधान**)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED SIBTEY RAZI): Let him finish,. I will give you a chance. Please conclude. . . *(Interruptions)* . . .

**श्री राम नरेश यादव** (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान मथुरा में...(**व्यवधान**)

**श्री शिवचरण सिंह** : माननीय उपसभाध्यक्ष जी, मेरा नाम लिया गया है ...(**व्यवधान**) माननीय उपसभाध्यक्ष जी, मेरा नाम लिया गया है...(**व्यवधान**) माननीय सदस्य ने मेरा नाम लिया है... (**व्यवधान**)

**श्री रामनरेश यादव** : मथुरा में.. (**व्यवधान**) वाराणसी में...(**व्यवधान**) मस्जिद की...(**व्यवधान**) घटना है... (**व्यवधान**) मांग करना चाहता हूं... (**व्यवधान**) महोदय, अयोध्या में जिस तरह से 6 तारीख को घटना घटी है, उसके पश्चात् जो पूरे देश में सांप्रदायिक हिंसा का ज्वार फैलाया गया हैं... (**व्यवधान**)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED SIBTEY RAZI): Please associate . . . *(Interruptions)* . . . Please conclude. . . *(Interruptions)* . . .

**श्री राम नरेश यादव** : महोदय, मैं बनारस गया था, बनारस में घूम रहा था...(**व्यवधान**) महोदय, जब मैं बनारस गया था अभी वहां पर जिन लोगों के दिल टूटे थे जले हुए उनके घरों को देखने के लिए जो हत्याएं हुई उनसे मिलने के लिए वहां के लोगों ने मुझसे एक आशंका व्यक्त की और कहा अब यह नारा यहां पर लग रहा है कि अयोध्या को तो हमने ठीक कर दिया, मथुरा और काशी की बारी है। ...(**व्यवधान**)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED SIBETY RAZI): Please conclude,,, *[interruptions)* . . ,

**श्री राम नरेश यादव :** मैं सरकार से मांग करता हूं कि सरकार दोनों जगहों . . . **(व्यवधान)**

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED SIBTEY RAZI): Please conclude... *(interruptions)* . . .

**श्री राम नरेश यादव :** रक्षा करने की व्यवस्था करे यह सरकार से मांग करता हूं . . . **(व्यवधान)** को विश्वास दिलाए कि किसी कीमत पर. . . . **(व्यवधान)** . . . उसको आघात नहीं पहुंचाया जाएगा। . . . **(व्यवधान)**

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED SIBTEY RAZI): Mr. Shiv Charan, since he has taken your name you may explain your position. .. *(interruptions)* ...

DR. JINENDRA KUMAR JAIN. I have a point of order. . . *(Interruptions)* . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYBD SIBTEY RAZI): Let him finish.... *{Interruptions)* ....

**डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :** आपका अभी दिल नहीं भरा है। . . **(व्यवधान)**

**श्री राम नरेश यादव :** इसलिए केन्द्र सरकार कह रहा हूं। . . . **(व्यवधान)**

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED SIBTEY RAZI): Please address the Chair. Mr. Shiv Charan, you may explain your position.

**श्री शिवचरण सिंह:** माननीय उपसभाध्यक्ष जी, माननीय सदस्य श्री मूलचन्द मीणा जी ने जो विशेष उल्लेख के जरिए मामला रखा उससे मेरी पूर्ण सहानुभूति है । उस नवयुवक की छात्रावास के अन्दर हत्या हुई। राजस्थान की सरकार ने केन्द्र सरकार को जांच दे दी। मेरी पूरी सहानुभूति है, उस नवयुवक की बर्बतापूर्वक जो हत्या की गई थी उसमें यूथ कांग्रस के कुछ नवयुवक थे और जो भी पार्टियों से संबंध रखने वाले लोग हों उनको गिरफ्तार कराएं । . . . **(व्यवधान)** मैं सच कह रहा हूं। मैं तो जाति का गुर्जर हूं, मेरा जातीय लगाव है। . . . **(व्यवधान)**

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED SIBTEY RAZI): Please captain your positon. . . . *(Interruptions)*. . .

**श्री शिवचरण सिंह :** मैं सत्यता की बात कहना चाहता हूं । . . . **(व्यवधान)**

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED SIBTEY RAZI): Please conclude ... *(Interruptions)*....

**शिवचरण सिंह :** मेरी भावना को मैं उनके साथ जोड़ता हूं और इसमें कोई दोषी व्यक्ति हो जैसा निर्णय हमारी सरकार ने लिया और उसी प्रकार यह सरकार गिरफ्तार करे और इनको सजा दिलाए । धन्यवाद ।

**Tapping/monitoring of telephones of Important dignitasqies and M.P.S by State Governments**

SHRI JOHN F. FERNANDES (Goa): 1 want to raise a very important issue regarding the tapping of telephones under the garb of monitoring the telephones. In Goa, in the month of October, there was a serious matter about a VVIPs telephone—according to the Blue Book, there are only 3 VVIPs, the President, the Vice-President and the Prime Minister—being tapped by the State police. This has become a common practice Throughout the country where the police authority, the State authority, is transgressing its jurisdiction. The Indian Telegraphs Act is under the jurisdiction of the Central Government. And if any security precaution has to be taken to check hoax calls, it is for the Central Government to direct and it has to be done under the purview of the Blue Book which contains security instructions. I think this is a very common practice not only is Goa but also in other parts of the country. The telephones of Members or Parliament have also been tapped an* monitored by the State Governmente When I talked to the Home Minist-about it, he said that it is the Home Ministry, the Central Government, which can direct it.